आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–20 अगस्त 2025 भोजपुरी समाचार

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव आजु लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन अउर विनियमन विधेयक–2025 पेस कइलें। एकर उद्देश्य ई–खेल अउर ऑनलाइन सोसल गेम्स के बढावा दिहल अउर पइसा लेके दिहल जाए वाली खतरनाक ऑनलाइन गेमिंग सेवा, विज्ञापन अउर ओहसे जुड़ल वित्तीय लेनदेन पर रोक लगावल हौ। एगो रिपोर्ट–

इस विधेयक में पैसा लेकर ऑनलाइन खेलों की पेशकश करने, संचालन करने या प्रोत्साहन करने पर, पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। ऑनलाइन गेम से जुड़े कानून के उल्लंघन पर, तीन साल तक की कैद और एक करोड रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकता हैं। अगर कोई, इस कानून का दोबारा उल्लंघन करता है, तो तीन से पांच साल तक की कैद, और दो करोड रुपये तक का जुर्माना, हो सकता हैं। यह विधेयक वित्तीय प्रणाली की अखंडता और देश की सुरक्षा, और संप्रभुता की रक्षा करेगा। इसके अलावा, यह जनहित में एक समान और राष्ट्रीय स्तर का, कानूनी ढांचा स्थापित करेगा। यह विधेयक देश के युवाओं को, ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग ऐप्स जैसे कि पोकर और रम्मी जैसे प्रलोभन वाले गेम से बचाएगा, जो उन्हें आर्थिक लाभ के झूठे वादों के जरिए, फंसाने का काम करते हैं, जिसके कारण पूरा परिवार आर्थिक संकट में आ जाता है। दीपेन्द्र कुमार, आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

****

राष्ट्रीय जनतात्रिक गठबंधन–एनडीए के उप–राष्ट्रपति पद क ओम्मेदवार सीपी राधाकृष्णन आजु संसद भवन में नामांकन दाखिल कइ दिहले हवें येह बिच्चे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू आ लोक जनशक्ति पारटी रामविलास क चिराग पासवान के साथे एनडीए गठबंधन क कइ नेता मौजूद रहलें। नामांकन दाखिल करे से पहिले श्री राधाकृष्णन संसद भवन क हाता में प्रेरणा स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कइलें। बिपक्ष क इण्डिया गठबंधन, उप–राष्ट्रपति पद खातिर सर्वोच्च न्यायालय क पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी के ओम्मेदवार बनवले हौ। उप–राष्ट्रपति पद खातिर मतदान नौ सितंबर के होई। बिहने नामांकन दाखिल करे क आखिरी तारीख हौ। नामांकन परचन क जांच बाइस अगस्त के होई अउर पचीस तारीख ले नाव वापिस लिहल जा सकेला।

****

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही आजु मीडिया से बातचीत में कहलें कि प्रदेस में खाद अउर यूरिया क कउनो कमी नइखे। परसानी खाली जमाखोरी, कालाबजारी अउर तस्करी करे वाला लोगि पैदा कइ रहल हवे। उहां के बतवलीं कि सरकार लगतारे खाद वितरण पर नजरि बनवले हौ, जौना से किसानन के कउनो परसानी न होखे। अबले ग्यारह सौ छानबे फुटकर विक्रेता लोगिन क लाइसेंस निरस्त कइल जा चुकल हौ। एक सौ बत्तीस थोक विक्रेता लोगिन के नोटिस, तेरह जने क निलंबन अउर चार जने क लाइसेंस रद्द कइल जा चुकल हौ। तिरानबे लोगिन के खिलाफ एफआईआर दरज करावल गइल हौ। श्री शाही बतवलें कि कार्रवाही के क्रम में सीतापुर, बलरामपुर अउर श्रावस्ती क जिला कृषि अधिकारियन के निलंबित कइल गइल हौ। ओहीं महाराजगंज अउर सिद्धार्थनगर जइसन सीमा से लागल जिलन में बड़हन संख्या में अइसन लोग पकड़ल गइल हवें, जे बिना जोत के ही कई दरजन बोरी उठा लिहलें। कृषि मंत्री कहलें कि राज्य सरकार हर किसान के समय से खाद अउर बीया उपलब्ध करावे बदे पुरहर सक्रिय हौ।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निरदेस पर सोरह सितम्बर से फार्मर रजिस्ट्री के ले के प्रदेस भर में बिसेस अभियान चलावल जाई। येह अभियान में जिलाधिकारियन के फार्मर रजिस्ट्री के प्रगति पर रोजाना समीक्षा कइले क निरदेस दीहल गइल हौ। राजस्व विभाग के निरदेसित कइल गइल हौ कि विभाग क अधिकारियन के मानक कार्यप्रणाली उपलब्ध करावल जाए जवना से अधिकार अभिलेख में मालिकन क नाव के आधार के मोताबिक सही कइल जा सके। प्रदेस में कुलि दुइ करोड़ अट्ठासी लाख से बेसी किसानन क फार्मर रजिस्ट्री क लक्ष्य रक्खल गइल हौ, जेकरे सापेक्ष अब पचास फीसदी से बेसी किसानन क रजिस्ट्री पूरा हो चुकल हौ। फार्मर रजिस्ट्री में अबले बिजनौर जिला सबसे आगे हौ, जहवां अट्ठावन फीसदी रजिस्ट्री हो चुकल हौ। एकरे बाद हरदोई, श्रावस्ती, पीलीभीत अउर रामपुर प्रदेस के सीर्स पांच जिलन में सामिल हौ।

****

रुक रुक के हो रहल बरखा अउर बांध से पाने छोड़ले के नाते प्रदेस में कई नदी उफान पर बाडीनि। फर्रुखाबाद, बदायूं में गंगा, लखीमपुर खीरी में शारदा, बाराबंकी, अयोध्या, तुर्तीपार में घाघरा अउर शाहजहांपुर में रामगंगा नदी खतरा के चिन्हा से उप्पर बहि रहलि हइन। एगो रिपोर्ट–

शाहजहांपुर में रामगंगा नदी के किनारे बसे कई गांवो के खेत पानी में डूब गए हैं। जलालाबाद और कलान तहसील के पचास से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में है। मथुरा में यमुना नदी उफान पर है। नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे नदी किनारे के कई क्षेत्र पानी में डूब गये हैं। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। वहीं अमरोहा में बिजनौर बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने की वजह से गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सिंचाई विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए ग्रामीणों से नदी की ओर नहीं जाने की अपील की है। समाचार कक्ष से मैं अरूण।

****